शिक्षण संग औद्योगिक साझेदारी से होगा कौशल विकास

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूली स्तर से ही विद्यार्थियों के कौशल विकास को महत्व दिया गया है। ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाने और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अब आवश्यक हो गया है कि शिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों को विभिन्न कौशल से भी युक्त किया जाए। आज के समय में इंडस्ट्री और शिक्षण को अलग-अलग नहीं रखा जा सकता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस दिशा में अग्रसर है और इसके लिए विश्वविद्यालय ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर की शुरुआत की है। यह केंद्र रोजगार के अवसर दिलाने के साथ-साथ कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण सत्रों का भी आयोजन कर रहा है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के द्वारा आयोजित पैनल डिस्कशन में अपने संबोधन में व्यक्त किए। आनलाइन आयोजित इस कार्यक्रम में गैलेक्सी मैग्नम लिमिटेड के वाइस चेयरमैन इंजीनियर अशोक बंसल की पुस्तक 'डिजाइन ऑफ एनर्जी एफिशियन्सी हाई राइज बिल्डिंग' का भी विमोचन हुआ। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इंडस्ट्री और शिक्षण प्रशिक्षण के कार्य में जुटे संस्थानों को अलग-अलग नहीं रखा जा सकता। ये एक साथ मिलकर ही देश व विश्व की बेहतरी में योगदान दे सकते हैं। हमारी कोशिश है कि अब विश्वविद्यालय इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम करें और भारत की युवा शक्ति को बदलते समय की मांग के अनुरूप तैयार करें। उन्होंने इंडस्ट्री को विश्वविद्यालय में शोध कार्य के लिए आमंत्रित किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से इनोवेशन, इन्क्यूबेशन के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिससे की वो पढ़ाई के बाद रोजगार के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के निदेशक डा. विकास गर्ग व उप-निदेशक डा. जितेंद्र कुमार के प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई।

'शोधार्थियों के लिए संजीवनी साबित होगा केंद्रीय उपकरण केंद्र: कुलपति'

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया दौरा, शोध कार्यों को गति प्रदान करने पर दिया जोर

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय उपकरण केंद्र का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

महेंद्रगढ़, 27 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में उपलब्ध केंद्रीय उपकरण केंद्र के दरवाजे अब शोधार्थियों के लिए खोल दिए गए हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस केंद्र का दौरा कर यहां उपलब्ध उपकरणों के परिचालन का जायजा लिया और इस केंद्र में उपलब्ध अत्याधुनिक उपकरणों के आवश्यक उपयोग के लिए शिक्षकों व शोधार्थियों को प्रेरित किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि कोरोना महामारी के लिए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों की अनुपालना करते हुए अब विश्वविद्यालय सभी शोधार्थियों के लिए चरणबद्ध ढंग से खोला जा रहा है और इस प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय उपकरण केंद्र की सुविधाओं का लाभ भी सभी को आवश्यकतानुसार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से शोध कार्यों को गति मिलेगी।

विश्वविद्यालय में केंद्रीय उपकरण केंद्र के निदेशक डा. गुंजन गोयल ने बताया कि इस केंद्र में तरल क्रोमैटोग्राफी-मास स्पैक्ट्रोमेट्री (एल.सी.-एम.एस.), परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एन.एम.आर.) और परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (ए.एफ.एम.) उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इन उपकरणों की मदद से बायोटैक, बेसिक साइंस, फार्मास्यूटिकल साइंस व बी.वॉक. पाठ्यक्रमों के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों को उनके कार्यक्षेत्र से संबंधित शोध व अनुसंधान की गतिविधियों में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब यह केंद्र पूर्णतया उपयोग हेतु सक्रिय है और शोधार्थी यहां आकर अपने शोध से संबंधित कार्य कर सकते हैं। इस केंद्र की स्थापना प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. दीपक पंत भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा इस उपकरण केंद्र में उपलब्ध उपकरणों की कार्यप्रणाली को देखने पहुंचने वालों में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डा. विनोद कुमार, फार्मास्यूटिकल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार, डा. सुनील कुमार, डा. रंजन अनेजा, डा. सुरेंद्र सिंह, डा. हरीश कुमार, डा. पवन मौर्य सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। केंद्र का दौरा करते हुए वीसी प्रो. टंकेश्वर। फोटो : हरिभूमि

शोधार्थियों के लिए संजीवनी साबित होगा उपकरण केंद्र

- कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार ने किया दौरा, शोध कार्यों गति प्रदान करने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध केंद्रीय उपकरण केंद्र के दरवाजे अब शोधार्थियों के लिए खोल दिए गए हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस केंद्र का दौरा कर यहां उपलब्ध उपकरणों के परिचालन का जायजा लिया और इस केंद्र में उपलब्ध अत्याधुनिक उपकरणों के आवश्यक उपयोग के लिए शिक्षकों व शोधार्थियों को प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी के लिए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों की अनुपालना करते हुए अब विश्वविद्यालय सभी शोधार्थियों के लिए चरणबद्ध ढंग से खोला जा रहा है और इस प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय उपकरण केंद्र की सुविधाओं का लाभ भी सभी को उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय में केंद्रीय उपकरण केंद्र के निदेशक डा. गुंजन गोयल ने बताया कि इस केंद्र में तरल क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी-एमएस), परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) व परमाणु बल माइक्रोस्कोपी (एएफएम) उपलब्ध हैं।

देखने पहुचें कार्यप्रणाली

इस केंद्र की स्थापना प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. दीपक पंत भी इस मौके पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के द्वारा इस उपकरण केंद्र में उपलब्ध उपकरणों की कार्यप्रणाली को देखने पहुंचने वालों में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डा. विनोद कुमार, फार्मासुटिकल विभाग के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार, डा. सुनील कुमार, डा. रंजन अनेजा, डा. सुरेंद्र सिंह, डा. हरीश कुमार, डा. पवन मौर्य सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

हकेंविवि में शोधार्थियों की खातिर संजीवनी साबित होगा उपकरण केंद्र

उपकरण केंद्र का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में उपलब्ध केंद्रीय उपकरण केंद्र में उपलब्ध उपकरणों के परिचालन का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार जायजा लिया तथा अत्याधुनिक उपकरणों के आवश्यक उपयोग के लिए शिक्षकों व शोधार्थियों को प्रेरित किया।

कुलपति ने कहा कि कोरोना महामारी के लिए केंद्र व राज्य सरकार की ओर से निर्धारित दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए अब विश्वविद्यालय सभी शोधार्थियों के लिए चरणबद्ध ढंग से खोला जा रहा है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत केंद्रीय उपकरण केंद्र की सुविधाओं का लाभ भी सभी को आवश्यकतानुसार उपलब्ध होगा।

शोध व अनुसंधान गतिविधियों में मिलेगी मदद

इन उपकरणों की मदद से बायोटेक, बेसिक साइंस, फार्मासुटिकल साइंस व बीवॉक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों को उनके कार्यक्षेत्र से संबंधित शोध व अनुसंधान की गतिविधियों में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के द्वारा इस उपकरण केंद्र में उपलब्ध उपकरणों की कार्यप्रणाली को देखने पहुंचने वालों में शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान, मौलिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता डॉ. विनोद कुमार, फार्मासुटिकल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार, डॉ सुनील कुमार, डॉ. रंजन अनेजा, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. हरीश कुमार, डॉ. पवन मौर्य सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

EDUCATION NOTES

LECTURE ON ATMANIRBHAR HARYANA

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH) organised a lecture on 'Atmanirbhar Haryana and Employment'. Satish, Rashtriya Sah Sangathak of Swadeshi Jagran Manch, while speaking as the chief speaker said India had 37 crore youth and the number is highest across the world hence there was a need for the youth to recognise their potential and move forward. On the occasion, he taught the youth five mantras: Earn while you learn, become a job creator, think new, be ready to take risks and set big goals and move forward. Vice Chancellor Prof Tankeshwar Kumar in his speech said today's youth was full of energy all they needed was proper direction and encouragement.

The Tribune Fri, 27 August 2021
https://epaper.tribuneinc

'स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस में उपलब्ध हैं एम.एससी. की 212 सीटें'

महेंद्रगढ़, 26 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सत्र 2021-22 के लिए चल रही प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, औषध विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान एवं योग सहित 8 विभाग उपलब्ध हैं। इनमें एम.एससी. की 212 सीटें अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं, जिनमें दाखिले की प्रक्रिया सी.यू.-सी.ई.टी. 2021 के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 1 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. की 38, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, जैवरसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग में एम.एससी. की 31-31 सीटें, योग की 15, एम.एससी. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की 25 तथा एम.फार्म (औषध विज्ञान) की 10 सीटें उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वैबसाइट www.cuh.ac.in अथवा www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को आयोजित की जाएगी।

स्कूल ऑफ इंटर डिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस में उपलब्ध हैं एमएससी की 212 सीटें

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में सत्र 2021-22 के लिए चल रही प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत स्कूल ऑफ इंटर डिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस के अंतर्गत सूक्ष्मजीव विज्ञान, जैव रसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, औषध विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान एवं योग सहित आठ विभाग उपलब्ध हैं। इनमें एमएससी की 212 सीटें अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं, जिनमें दाखिले की प्रक्रिया सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से जारी है। दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 1 सितम्बर, 2021 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटर डिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस के सभी विभाग विद्यार्थियों के लिए रोजगार व अनुसंधान की संभावनाओं के साथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर स्वयं को ग्लोबल स्तर पर कार्य के लिए तैयार कर सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि स्कूल के अंतर्गत विशेषज्ञ व विख्यात शिक्षक उपलब्ध हैं तथा विभागों की प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन विभागों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र की बारीकियों को समझकर अपना व देश का नाम रोशन कर सकते हैं। स्कूल में अध्यापनरत शिक्षकों व विद्यार्थियों के ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जिन्होंने अपने काम के आधार पर विभिन्न मंचों पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल ऑफ इंटर डिसीप्लीनरी एंड एप्लायड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण विज्ञान में एमएससी की 38, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, जैव रसायन विज्ञान, पोषण जीवविज्ञान तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग में एमएससी की 31- 31 सीटें, योग की 15, एमएससी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की 25 तथा एम फार्म (औषध विज्ञान) की 10 सीटें उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों में आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in अथवा www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को आयोजित की जाएगी

हकेंविविः एमवॉक पाठ्यक्रम शुरू कराने के लिए सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमवॉक (मास्टर्स आफ वोकेशनल) पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू कराने के लिए छात्र प्रतिनिधि मंडल ने कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार को मांग पत्र सौंपा। छात्रों ने मांग की है कि विश्वविद्यालय में इसी सत्र से एमवॉक पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू की जाए। छात्र अक्षय मालडा ने बताया की हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दीनदयाल उपाध्याय कोशल केंद्र के अंतर्गत बीवॉक पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू की हुई है जिसके चार सत्र के विद्यार्थी उत्तीर्ण भी हो चुके हैं। बीवॉक में उत्तीर्ण होने के बाद विद्यार्थी आगे पढ़ने की इच्छा रखते हैं लेकिन विश्वविद्यालय में एमवॉक पाठ्यक्रम नहीं होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। काफी समय से छात्र इस पाठ्यक्रम को शुरू करने की मांग कर रहे हैं। जिस पर पूर्व में कुलपति रहे प्रो. आरसी कुहाड़ ने छात्रों को आश्वस्त भी किया था कि इस बार पाठ्यक्रम को शुरू कर दिया गया था। लेकिन अबकी बार भी एमवॉक पाठ्यक्रम शुरू नहीं होने के चलते छात्रों में रोष है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार कहा की बीवॉक पाठ्यक्रम के सफल संचालन और विद्यार्थियों की रुचि को देखते हुए एमवॉक पाठ्यक्रम इसी सत्र से संचालन करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। बीवॉक पाठ्यक्रम से बहुत से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर भी मिले हैं वहीं एम.वॉक शुरू होने से ओर इजाफा होगा। इस मौके पर विनोद कुमार, मंदीप, कुलदीप, लोकेश मौजूद रहे। संवाद

भारत की एकता और अखंडता के लिए इतिहास को समझना जरूरी

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ः हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया।

इस मौके पर आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि भारत की एकता व अखंडता के लिए आवश्यक है कि हम अपनी पुरातन ज्ञान परंपराओं और इतिहास को जाने और समझें।

इसके माध्यम से न केवल हिंदी साहित्य बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी आजादी के 75 सालों में हुए बदलावों पर विमर्श जारी है। हिंदी विभाग के प्रभारी व सहायक आचार्य डा. अमित कुमार ने कुलपति का परिचय दिया एवं कार्यक्रम का संचालन किया तथा विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। परिसंवाद में बीज वक्तव्य काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व आचार्य प्रो. अवधेश प्रधान ने आजादी के बाद हिंदी साहित्य में तत्कालीन सामाजिक व राजनीतिक बदलावों पर प्रकाश डाला। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. बैजनाथ प्रसाद ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव अभियान हमें भारत की चेतना को जानने समझने का अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग में शोधार्थी विकास कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों सहित अन्य संस्थानों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

हकेंवि में आजादी का अमृत महोत्सव के संवाद को संबोधित करते विशेषज्ञ ●सौ. स्वयं

हकेवि में गोष्ठी : युवा शक्ति से होगा भारत आत्मनिर्भर

महेंद्रगढ़| हकेवि, महेंद्रगढ़ में बुधवार को केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत आत्मनिर्भर हरियाणा एवं रोजगार विषय पर केंद्रित व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता व मुख्य अतिथि के रूप में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश ने विश्वविद्यालय शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत के पास उपलब्ध महत्त्वपूर्ण संपदा में 37 करोड़ युवा शक्ति है जो कि समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इसलिए जरूरत है कि युवा शक्ति अपनी क्षमताओं को पहचाने और आगे बढ़े। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को पांच मंत्र पढ़ाई के साथ-साथ कमाना सीखें, रोजगार दाता बनें, कुछ नया सोचें, जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें और बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें दिए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। डॉ. रणबीर सिंह ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की और बताया कि विश्वविद्यालय किस प्रकार से इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के आयोजन में जुटा है। कार्यक्रम में मंच का संचालन शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन व्यावसायिक एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा ने प्रस्तुत किया।

'विश्वविद्यालय की बेहतरी के लिए आपसी सहयोग से करेंगे काम'

ए.बी.आर.एस.एम. के कार्यकर्त्ताओं ने कुलपति से की भेंट, सुविधाओं के लिए सौंपा ज्ञापन

कुलपति टंकेश्वर कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए।

महेंद्रगढ़, 24 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में सक्रिय अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की इकाई से जुड़े शिक्षक कार्यकर्त्ताओं ने नव नियुक्ति कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से भेंट की। संघ के कार्यकर्त्ताओं ने इस अवसर पर तदर्थ, अनुबंध, पूर्णत: अस्थायी व शोध अध्येतावृत्ति के अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों के कल्याण के लिए उनके समक्ष उपस्थित वेतन विसंगतियों को दूर करने अथवा पूर्व सेवा के अनुभव को नियुक्ति व पदोन्नति में मान्यता प्रदान करने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की ओर कुलपति का ध्यान आकर्षित किया। संघ के कार्यकर्त्ताओं ने प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए कहा कि उन्हें भरोसा है कि अब हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ मिलकर शिक्षक, शोधार्थियों, विद्यार्थियों व अन्य कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के साथ, विश्वपटल पर अपनी एक अलग पहचान कायम करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ हुई इस मुलाकात के बाद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक संघ कार्यकर्त्ताओं ने एक ज्ञापन भी कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षक, कर्मचारियों सहित विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए, 9 महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख किया है। इनमें प्रमुख रूप से शिक्षकों के वेतन में भिन्नता के कारण अनुभव व पिछली सेवाओं का लाभ मिलने में हो रही समस्या, विश्वविद्यालय की ओर से प्रदान जाने वाले अनुभव प्रमाण पत्र में वेतनमान सहित अन्य समस्त घटकों का उल्लेख किए जाने, अनुबंध पर कार्यरत शिक्षकों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम 2018 के अनुरूप वेतन प्रदान किए जाने की मांग प्रमुख रूप से सम्मिलित थी।

सदस्यों ने विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार में क्रियान्वित ग्रुप-इंश्योरैंस व्यवस्था को भी लागू करने का आग्रह किया। सदस्यों का कहना था कि कुलपति ने ध्यानपूर्वक उनकी बातों का सुना व समझा और भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए वह शिक्षकों व शैक्षणिक संघ के साथ मिलकर हर संभव प्रयास करेंगे।

कानून की पढ़ाई में उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध करा रहा हकेंवि

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए आवेदन हेतु अब केवल एक सप्ताह का समय बचा है। सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन प्रक्रिया जारी है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ लॉ के अंतर्गत स्नातक स्तर तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर एलएलएम पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु उपलब्ध करवा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि कानून के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। विद्यार्थी विधि की पढ़ाई कर इस क्षेत्र में उपलब्ध सरकारी नौकरियों के साथ-साथ न्यायिक क्षेत्र में रोजगार पा सकते हैं।

स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. राजेश कुमार मलिक ने बताया कि स्कूल के अंतर्गत उपलब्ध विधि विभाग में तीन वर्षीय एलएलबी की 60 सीटें तथा एलएलएम पाठ्यक्रम की 25 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिले सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से हो रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 01 सितम्बर, 2021 है जबकि ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 02 सितम्बर, 2021 है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों को पूरा करने वाले विद्यार्थियों के लिए सरकारी व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद है। आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को आयोजित की जाएगी।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान का अध्ययन कर पाएं सुरक्षित भविष्य

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवदेन प्रक्रिया जारी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 01 सितम्बर, 2021 है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय में चल रहे मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन पीठ के अंतर्गत आठ विभागों की 245 सीटें दाखिले के लिए उपलब्ध हैं।

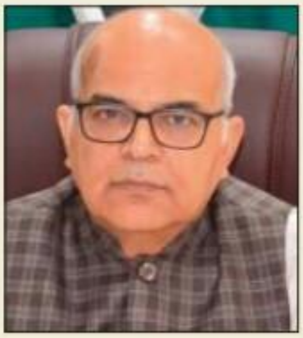

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ में उपलब्ध हैं आठ विभाग

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विषय चाहे राजनीति विज्ञान हो, समाजशास्त्र हो, मनोविज्ञान हो या फिर पत्रकारिता एवं जनसंचार सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सामाजिक बदलावों को जानने-समझने में मददगार होते हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ हमें सामाजिक स्वरूप को समझने के लिए उपयोगी विषयों के साथ-साथ अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत जैसी भाषाओं का अध्ययन करने का अवसर भी प्रदान करती है। इस पीठ के अंतर्गत उपलब्ध सभी पाठ्यक्रम रोजगार व स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी व मनोविज्ञान विभाग में 40-40, इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर की 30-30, पत्रकारिता एवं जनसंचार व हिंदी विभाग में 25-25 तथा संस्कृत विभाग में 15 सीटें विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इन सीटों पर दाखिले सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से होंगे और आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा www. cucet. nta.nic.in व www.nta.ac.in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को आयोजित की जाएगी।

हकेंवि में दाखिले के लिए अंतिम तारीख एक सितंबर

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख एक सितंबर है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय में चल रहे मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन पीठ के अंतर्गत आठ विभागों की 245 सीटें दाखिले के लिए उपलब्ध हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विषय चाहे राजनीति विज्ञान हो, समाजशास्त्र हो, मनोविज्ञान हो या फिर पत्रकारिता एवं जनसंचार सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सामाजिक बदलावों को जानने-समझने में मददगार होते हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ हमें सामाजिक स्वरूप को समझने के लिए उपयोगी विषयों के साथ-साथ अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत जैसी भाषाओं का अध्ययन करने का अवसर भी प्रदान करती है।

इस पीठ के अंतर्गत उपलब्ध सभी पाठ्यक्रम रोजगार व स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी व मनोविज्ञान विभाग में 40-40, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर की 30-30, पत्रकारिता एवं जनसंचार व हिंदी विभाग में 25-25 तथा संस्कृत विभाग में 15 सीटें विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इन सीटों पर दाखिले सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से होंगे और आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in से आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान का अध्ययन कर पाएं सुरक्षित भविष्य

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 01 सितम्बर, 2021 है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय में चल रहे मानविकी एवं सामाजिक अध्ययन पीठ के अंतर्गत आठ विभागों की 245 सीटें दाखिले के लिए उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विषय चाहे राजनीति विज्ञान हो, समाजशास्त्र हो, मनोविज्ञान हो या फिर पत्रकारिता एवं जनसंचार सभी वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सामाजिक बदलावों को जानने-समझने में मददगार होते हैं। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ हमें सामाजिक स्वरूप को समझने के लिए उपयोगी विषयों के साथ-साथ अंग्रेजी, हिंदी व संस्कृत जैसी भाषाओं का अध्ययन करने का अवसर भी प्रदान करती है। इस पीठ के अंतर्गत उपलब्ध सभी पाठ्यक्रम रोजगार व स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी व मनोविज्ञान विभाग में 40-40, इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर की 30-30, पत्रकारिता एवं जनसंचार व हिंदी विभाग में 25-25 तथा संस्कृत विभाग में 15 सीटें विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इन सीटों पर दाखिले सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से होंगे और आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा www.cucet.nta.nic.in व www.nta.ac.in से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को आयोजित की जाएगी।

हकेंवि में बीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों में दाखिले शुरू

- भावी शिक्षकों को नए बदलावों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आगामी एक सितंबर तक चलने वाली इस ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से विद्यार्थी बीएड व एमएड के लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में शिक्षा पीठ के अंतर्गत बीएड की 125 तथा एमएड की 30 सीटें उपलब्ध हैं। इन सीटों पर दाखिले सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से होंगे और आवेदक दाखिले के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्राथमिक व उच्चतर शिक्षा के स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में विश्वविद्यालय में उपलब्ध बीएड व एमएड पाठ्यक्रमों के अंतर्गत भावी शिक्षकों को नए बदलावों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध बीएड व एमएड पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त है।

12वीं पास विद्यार्थियों के लिए बीवाक में दाखिला का मौका

हकेंवि की दाखिला प्रक्रिया : बीवाक पाठ्यक्रम उपलब्ध

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इच्छुक अभ्यर्थी आगामी 01 सितम्बर तक सीयू-सीईटी 2021 के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन छात्रों ने अपनी 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या अभी प्रयासरत है उनके लिए बीवाक की बैचलर डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लेने का यह एक अच्छा अवसर है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के तहत बीवाक (बैचलर इन वोकेशन) के तीन पाठ्यक्रम रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट, बायोमेडिकल साइंसेज व इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट संचालित हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में युवाओं के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ●

के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित बीवाक का पाठ्यक्रम गुणवत्तापूर्ण व रोजगारपरक है। कोविड महामारी के कठिन समय में भी पिछले शैक्षणिक वर्ष के उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने विभाग के द्वारा संचालित प्लेसमेंट में भाग लेकर भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रबंधकीय पदों पर नौकरियां प्राप्त की जोकि इस पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता को दर्शाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ औद्योगिक भ्रमण, इंटर्नशिप, उद्योग विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यान और प्रयोगात्मक शिक्षाओं के द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवसायों में कौशल और विशेषज्ञता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के समन्वयक डा. पवन कुमार मौर्य ने बताया कि बीवाक. पाठ्यक्रम तीन वर्ष में तीन चरणों में करवाया जाता है। जिसके अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी को डिप्लोमा, दो वर्ष सफलता पूर्वक करने पर एडवांस डिप्लोमा तथा तीन वर्ष सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर बीवाक की डिग्री प्रदान की जाती है। ये पाठ्यक्रम सैद्धांतिक शिक्षा और व्यावसायिक प्रबंधन अवधारणाओं का एक अनूठा मिश्रण है जिसमे हकेंवि में बीवाक रिटेल एंड लाजिस्टिक्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में 63 तथा बायोमेडिकल साइंसेज व इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट में 50-50 सीटें उपलब्ध है। बी.वाक. में प्रवेश लेने के अभ्यर्थी 01 सितम्बर तक विवि की वेबसाइट से आनलाइन कर आवेदन कर सकते हैं और विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है। प्रवेश परीक्षा 15, 16, 23 व 24 सितंबर, 2021 को आयोजित की जाएगी।

हकेवि के स्कूल ऑफ इंजी. एंड टेक्नोलॉजी में दाखिला प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़, (जगमार्ग न्यूज)। तकनीकी जनशक्ति के लिहाज से भारत विश्व का सबसे बड़ा देश है किंतु भारतीय जनंसख्या के अनुपात में अभी भी यह पर्याप्त नहीं है। यही कारण है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विशेष रूप से तकनीकी व कौशल विकास के मोर्चे पर ध्यान देने पर जोर दिया गया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है और इस कार्य में विश्वविद्यालय का स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी स्नातक स्तर पर चार बी.टेक. पाठ्यक्रम उपलब्ध करवा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि विश्वविद्यालय अब इनोवेशन व इंक्यूबेशन की दिशा में अग्रसर है।

पूर्व सांसद डॉ.सुधा यादव का महिला मोर्चा की सदस्यों ने किया अभिनंदन

आकोदा | केन्द्रीय विश्वविद्यालय पाली में बुधवार को पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव के पहुंचने पर महिला मोर्चा भाजपा की तरफ से मौसम शर्मा महिला प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के नेतृत्व में किया गया। एक शिष्टमंडल के साथ राष्ट्रीय ओबीसी आयोग की सदस्य डॉ. सुधा यादव केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पहुंची। गांव पाली में पहुंचने पर डॉ. सुधा यादव ने सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया और उन्होंने पूर्व में जब यहां से लोकसभा का चुनाव लड़ा था उन सभी यादों को ताजा किया। गांव की तरफ से ललिता अमित भारद्वाज ने डॉ. सुधा यादव का और केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. टंकेश्वर का स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश महिला मोर्चा सदस्य सीमा जोशी, जिला उपाध्यक्ष बहन कृष्णा यादव, दादी रज्जो देवी, डिंपल जांगड़ा, सुजाता शर्मा,ललीता अमित भारद्वाज आदि महिलाएं मौके पर उपस्थित रही।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नए सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

➡ अब हकेवि करायेगा इंटिग्रेटेड बी.एससी. एमएससी भौतिकी, रसायन विज्ञान व गणित की पढ़ाई

यह रहेगा दाखिला कार्यक्रम

1. ऑनलाइन आवेदन - 01 सितम्बर, 2021 तक
2. फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि- 02 सितम्बर, 2021
3. परीक्षा का प्रारूप - कम्प्यूटर आधारित परीक्षा
4. प्रवेश परीक्षा - 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021

जगमार्ग न्यूज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक व स्नातकोत्तर की 1670 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी) 2021 के आधार पर होंगे। सीयूसीईटी-2021 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सोमवार 16 अगस्त से शुरू हो चुकी है और इच्छुक अभ्यर्थी आगामी 01 सितम्बर, 2021 तक आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन प्रक्रिया के बाद स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आगामी 15, 16, 23 व 24 सितम्बर, 2021 को कम्प्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए शैक्षणिक सत्र में दाखिले हेतु इच्छुक आवेदकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयासरत है। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयू-सीईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि इस बार सीयू-सीईटी-2021 का आयोजन शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के द्वारा किया जा रहा है। इस परीक्षा के अंतर्गत 12 केंद्रीय विश्वविद्यालय शामिल हो रहे हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय इस बार विश्वविद्यालय इंटिग्रेटेड बी.एससी. एम.एससी. भौतिकी, रसायन विज्ञान व गणित की शुरूआत कर रहा है।

(स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए)

1. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
2. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
3. झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
4. कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय
5. केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
6. पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय
7. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
8. दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
9. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय
10. आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
11. गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
12. असम विश्वविद्यालय सिलचर

मुख्यातिथि शिकरत की। इस कार्यक्रम में हर आम और खास का जोश और जज्बा देखने लायक था। मुख्यातिथि ने ध्वजारोहण के बाद अपने संबोधन में कहा कि हम सब को आजादी फ्री में नहीं मिली। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक राजपाल यादव व चेयरपर्सन शीला राव विशेष रूप से मौजूद रहीं।

डीपीएस में रही 75वें स्वतंत्रता दिवस की धूम: दिल्ली पब्लिक स्कूल में 75वें स्वत्रंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। को-ऑर्डिनेटर रमेश कुमार झा ने बताया कि ध्वजारोहण कार्यक्रम महेंद्रगढ़ के विधायक राव दान सिंह एवं विशेष अतिथि के रूप में संध्या सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालयीन बच्चों के द्वारा हृदयस्पर्शी प्रस्तुतियां दी गईं।

हकेवि में 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का हुआ आयोजन: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 75वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर रविवार को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शैक्षणिक खंड के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार हम आजादी की 75वीं वर्षगांठ 'आजादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मना रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेतर कर्मचारी व परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भवर सिंह को डिप्टी सीएम ने किया सम्मानित: स्वतंत्रता दिवस पर सार्वजनिक प्राकृतिक एवं योग चिकित्सालय बुचोली रोड महेंद्रगढ़ के मुख्य चिकित्सा प्रभारी डा. भवर सिंह कसाना को जिला स्तर पर उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा सम्मानित किया गया।

हकेंविवि में मनाया 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ में 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक भवन के सामने तिरंगा झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस बार हम आजादी की 75वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। यह बड़े ही हर्ष की बात है कि समूचा देश कोरोना महामारी के बीच सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आजादी की 75वीं वर्षगांठ के आयोजन का भागीदार बन रहा है। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के साथ भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों और देश की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों के सेवा, संपर्ण, त्याग को याद किया। मंच का संचालन डॉ. दिनेश चहल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से समा बांधा। इनमें डॉ. पवन मौर्य, डॉ. नीतिन, डॉ. अजय पाल, राजेश जांगड़ा, शंकर भारद्वाज के नाम शामिल हैं। उप छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. आनन्द शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संवाद

आजादी के मायने समझते हुए अस्तित्व को पहचानें : टंकेश्वर

75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आनलाइन कार्यक्रम आयोजित

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : आज हम अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और ऐसे में बेहद जरूरी है कि आज की युवा पीढ़ी आजादी के मायने समझे और अपने अस्तित्व को पहचानते हुए समृद्ध भविष्य के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करें। आजादी का अमृत महोत्सव एक ऐसा प्रयास है, जिसके माध्यम से हम अपने देश की युवा पीढ़ी के साथ एक बार फिर से उन महान हस्तियों को याद कर पा रहे हैं, जिनके त्याग व बलिदान के कारण आज हम स्वतंत्र हैं, यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शनिवार को आनलाइन आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेड क्रास इकाई व आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित आनलाइन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि यह प्रयास बेहद महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से हम आजादी के मायनों से न सिर्फ युवा पीढ़ी को अवगत करा पा रहे हैं, बल्कि उन्हें भविष्य की राह भी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज उन्हें भारत को विश्वगुरु बनाने, ग्लोबल

प्रो. टंकेश्वर कुमार • जागरण

सुपर पावर के रूप में विकसित करने के लिए किस सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आजादी तो हमें मिल चुकी है अब जरूरत है कि हम यह जानें कि यह आजादी कैसे प्राप्त हुई और इसे किस तरह से सुरक्षित रखते हुए हम खुद को विश्वपटल पर मजबूती के साथ स्थापित करें। आज की युवा पीढ़ी को जानना होगा कि आखिर दुनिया जीतने का मतलब क्या है। भारत एक समय पर कैसे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित रहा था। हम कैसे विश्वगुरु बन सकते हैं। हम कैसे हिंदुस्तानी होकर ग्लोबल सिटीजन के रूप में स्थापित हो सकते हैं। कुलपति ने आजादी और आजादी के बाद भारत के विकास, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, भारत को ग्लोबल व सुपरपावर बनाने की दिशा में जारी प्रयासों, चर्चाओं व योजनागत प्रयासों से युवाओं को जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। इससे पूर्व में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय प्रस्तुत किया। इसके पश्चात आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल आफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने इस आयोजन के उद्देश्य और इसके अंतर्गत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने आजादी से जुड़े विभिन्न विषयों को केंद्र में रखते हुए अपने विचार, भाषण, कविता व पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किए। इनमें मनीषा, प्रिया भट्ट, सत्य प्रकाश, चारू, चंचल, अनुराग, भागीरथ प्रसाद, नीतिन, स्नेहलता, सृष्टि राजपूत आदि के नाम प्रमुख रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षा पीठ के डा. दिनेश चहल ने किया जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागों के अध्यक्ष, प्रभारी, शिक्षक, अधिकारी, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी शामिल हुए।

'गुरुग्राम में शुरू होगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैंटर'

पढ़ाई के साथ कौशल विकास एवं रोजगार प्रदान करने की दिशा में होंगे विशेष प्रयास

महेंद्रगढ़, 12 अगस्त (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ का ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैंटर गुरुग्राम में शुरू होने जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों व शोधार्थियों को विभिन्न स्तर पर आवश्यक प्रशिक्षण व पढ़ाई के बाद रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्कूली स्तर से ही विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर हमारी कोशिश है कि विद्यार्थियों के कौशल का विकास हो, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध हों और वे स्वरोजगार विकसित कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग प्रदान करने में सक्षम हो सकें। विश्वविद्यालय के गुरुग्राम स्थित ट्रांजिट कार्यालय भवन में शुरू होने वाले इस केंद्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों के सहयोग से प्रशिक्षण व प्लेसमैंट के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति ने बताया कि इस प्रयास हेतु डा. विकास गर्ग को ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट का निदेशक व डा. जितेंद्र कुमार को उपनिदेशक नियुक्त किया गया है। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों को विभागीय समन्वयक की जिम्मेदारी दी जाएगी जो कि नियमित रूप से ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैंटर के सम्पर्क में रहेंगे और आवश्यकतानुसार इससे संबंधित गतिविधियों के संचालन में योगदान देंगे। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट के निदेशक डा. विकास गर्ग ने बताया कि इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया गया है और विभिन्न कम्पनियों से विद्यार्थियों के लिए ट्रेनिंग व प्लेसमैंट हेतु सम्पर्क किया जा रहा है।

गुरुग्राम में शुरू होगा हकेंविवि का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर गुरुग्राम में शुरू होने जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों और शोधार्थियों को विभिन्न स्तर पर आवश्यक प्रशिक्षण देकर पढ़ाई के बाद रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्कूली स्तर से ही विद्यार्थियों के कौशल विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जिसे देखते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर हमारी कोशिश है कि विद्यार्थियों के कौशल का विकास हो, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध हों और वे स्वरोजगार विकसित कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग प्रदान करने में सक्षम हो सकें।

विश्वविद्यालय के गुरुग्राम स्थित ट्रांजिट कार्यालय भवन में शुरू होने वाले इस केंद्र में विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों के सहयोग से प्रशिक्षण, प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। संवाद

अगले सत्र से तीन नए पाठ्यक्रम शुरू

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय अब कराएगा एमटेक की पढ़ाई

- नए पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे
- स्वरोजगार विकसित करने की क्षमता भी बढ़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नए कोर्स भविष्य निर्माण में सहायक

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इन पाठ्यक्रमों को तकनीक के मोर्चे पर जारी विभिन्न बदलावों को देखते हुए महत्तवपूर्ण बताया। उनका कहना है कि विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर ऊर्जा प्रबंधन, संरचनात्मक प्रौद्योगिकी तथा कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर सकते हैं।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आगामी सत्र से तीन नए एमटेक पाठ्यक्रमों की शुरूआत करने जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में एमटेक एनर्जी सिस्टम एंड मैनेजमेंट, एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग व एमटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग सम्मिलित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इन पाठ्यक्रमों को तकनीक के मोर्चे पर जारी विभिन्न बदलावों को देखते हुए महत्त्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर ऊर्जा प्रबंधन, संरचनात्मक प्रौद्योगिकी तथा कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय कुलपति ने इन पाठ्यक्रमों की शुरूआत को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों को तेजी से बदल रहे कार्य क्षेत्रों और इंडस्ट्री की नवीनतम आवश्यकताओं को देखते हुए जरूरी शिक्षण-प्रशिक्षण के प्रयासों में अहम बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर न सिर्फ अच्छे संस्थानों में रोजगार प्राप्त करने योग्य हो पाएंगे बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्वरोजगार विकसित करने की क्षमता भी विकसित कर पाएंगे। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत शुरू होने वाले इन पाठ्यक्रमों में प्रत्येक में 18-18 सीटें उपलब्ध होंगी। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अधिष्ठाता डा. अजय कुमार बंसल ने बताया कि नए पाठ्यक्रमों के संबंध में दाखिला कार्यक्रम के निर्धारण की प्रक्रिया को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा ताकि शैक्षणिक सत्र 2021-22 से इन पाठ्यक्रमों में अध्ययन संभव हो सके।

CUH TO INTRODUCE THREE COURSES

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH) will introduce three integrated courses — BSc-MSc physics, BSc-MSc chemistry and BSc-MSc mathematics -— from the new academic session. Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said all courses would have 30 seats each while the admission would be done through the Central University Common Entrance Examination (CUCET)-2021. The courses were being started keeping in view the new National Education Policy.

The Tribune Tue, 10 August 2021 https://epaper.tribunei

प्रो. एसके मेहता लद्दाख विवि के नए कुलपति

राज्य ब्यूरो, जम्मू : विख्यात वैज्ञानिक प्रो. एसके मेहता को लद्दाख विश्वविद्यालय का नया कुलपति (वाइस चांसलर) बनाया गया है। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। लद्दाख के उपराज्यपाल आरके माथुर ने प्रो. मेहता को कुलपति नियुक्ति पर अपनी मुहर लगा दी है।

प्रो. मेहता रायल सोसायटी आफ केमिस्ट्री के फैलो हैं और केमिस्ट्री विभाग के चेयरमैन रहे हैं। चंडीगढ़ रीजन इनोवेशन नालेज क्लस्टर के समन्वयक और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के ग्लोबल इनीशिएटिव आफ अकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) के स्थानीय समन्वयक और यूजीसी की करियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के समन्वयक रहने के दौरान प्रो. मेहता ने बेहतरीन कार्य किया है। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 360 लेख प्रकाशित हो चुके हैं। वह 15 पुस्तकें लिख चुके हैं।

हकेंवि में तीन इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम, भौतिकी रसायन विज्ञान व गणित की होगी शुरूआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 से अपने यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को ध्यान में रखते हुए तीन नए इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रमों की शुरूआत करने जा रहा है। इन नए पाठ्यक्रमों में बीएससी-एमएससी भौतिकी, बीएससी-एमएससी रसायन विज्ञान व बीएससी-एमएससी गणित शामिल हैं। इन तीनों ही नए पाठ्यक्रमों में 30-30 सीटों के लिए दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2021 के माध्यम से होंगे, जिसकी आवेदन प्रक्रिया अन्य पाठ्यक्रमों के साथ जल्द ही शुरू होने जा रही हैं।

सीयूसीईटी से होंगे दाखिले

विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि ये तीनों ही पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केंद्र में रखते हुए शुरू किए जा रहे हैं और इनके माध्यम से विद्यार्थी बारहवीं के बाद सीधे स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई कर पाएंगे। कुलपति ने कहा कि इन पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से आधुनिक बदलावों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें अकादमिक विशिष्टता के साथ-साथ रोजगारउन्मुखता व आत्मनिर्भरता की दिशा में भी प्रयास किए गए हैं। विवि की ओर से नियुक्त केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी)-2021 के नोडल ऑफिर डॉ. फूल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय तीन नए इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों को शुरू करने जा रहा है। ये तीनों पाठ्यक्रम मौलिक विज्ञान पीठ के अंतर्गत शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि तीनों ही पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया

- बारहवीं पास विद्यार्थियों के लिए तीनों नए पाठ्यक्रमों में 30-30 सीटें पर होंगे दाखिले

विश्वविद्यालय में उपलब्ध शेष स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ शुरू होगी और केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी)-2021 के माध्यम से विद्यार्थियों के दाखिले लिए जाएंगे।

एक्जिट का विकल्प भी शामिल

नए पाठ्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को एक्जिट का विकल्प दिए जाने की भी योजना है। डॉ. फूल सिंह ने बताया कि पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया की घोषणा के साथ ही इनमें दाखिले हेतु आवश्यक योग्यता की भी जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी। आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत आने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों के अनुसार राहत दी जाएगी।

पतंजलि परिवार ने बांटे औषधीय पौधे केंविवि वीसी ने की अभियान की शुरूआत

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

जिला के पतंजलि परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली आयुर्वेदिक औषधि गिलोय, तुलसी व घृत कुमारी का रोपण और वितरण किया गया। इसका शुभारंभ जांट-पाली स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर हुआ। कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार को पतंजलि परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा गिलोय व तुलसी के पौधे उपहार स्वरूप दिए गए। इसके बाद पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी नीलेश मुदगल के नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रांगण में विभिन्न स्थानों पर कुलपति की अनुमति पश्चात पौधों का रोपण किया गया।

संगठन मंत्री सुनील कुमार ने गांव डुलाना में अपनी टीम के साथ गिलोय का रोपण व वितरण किया। इस अवसर पर महिला महामंत्री सुशीला देवी, हरियाणा योग आयोग की योग शिक्षिका सुनील देवी, वेदामृता संस्था के संस्थापक नीरज मेधार्थी, नित्यानंद, विश्वविद्यालय में वरिष्ठ असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ दिनेश चहल, योग विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रवि शास्त्री, संगठन मंत्री सुनील डुलाना, महेंद्रगढ़ खंड प्रभारी जुगबीर सिंह, कनीना खंड प्रभारी मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी ललित चौहान आदि ने विभिन्न स्थानों पर गिलोय का रोपण किया।

शोधार्थियों के लिए सोमवार से खुलेगा हकेंवि

- कोविड- 19 टॉस्क फोर्स की बैठक में हुआ निर्णय
- कोरोना गाइडलाइंस का करना होगा पालन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष गतिविधियों हेतु बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ सोमवार 9 अगस्त, 2021 से फिर शोध कार्य हेतु खोलने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 टॉस्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया है कि शोधार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विश्वविद्यालय खोल दिया जाए ।हालांकि अभी यह अनुमति दैनिक ध्साप्ताहिक आधार पर होगी और विभागाध्यक्ष व शोध निर्देशक की अनुमति के बाद ही शोधार्थी विश्वविद्यालय आ सकेंगे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की ओर निर्धारित गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विमर्श हुआ। बैठक में विज्ञान विषयों के शोधार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विश्वविद्यालय द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की अनुमति होगी। इसी तरह विश्वविद्यालय ने विभिन्न राज्यों से आने वाले शोधार्थियों के लिए संबंधित राज्य व हरियाणा सरकार की ओर से निर्धारित कोविड गाइडलाइंस का पालन करने की अनिवार्य निर्धारित की है। इसके अंतर्गत आंगुतकों का टीकाकरण हुआ होना आवश्यक है।

कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सभी विषयों के अंतर्गत अध्ययनरत शोधार्थियों को उनके शोध कार्य हेतु एक निर्धारित अवधि के लिए विश्वविद्यालय में आने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इस अवधि का निर्धारण संबंधित विभागाध्यक्ष व शोध निर्देशक के द्वारा किया जाएगा और इस दौरान विद्यार्थियों के अल्पअवधि के लिए अस्थायी रूप से कैंपस में ठहरने का भी इंतजाम रहेगा।साथ ही साथ ऐसे विद्यार्थी जोकि परीक्षा विभाग या अन्य विभाग से संबंधित किसी अति आवश्यक कार्य हेतु विश्वविद्यालय आने के इच्छुक है उन्हें भी विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी की अनुमति के बाद आने कोरोना गाइडलाइंस की अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में आने की अनुमति होगी।

कोविड-19 टॉस्क फोर्स की इस बैठक में सम्मानित सदस्य शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रोक्टर प्रो.रविंद्र पाल अहलावत, विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो.राजेश मलिक, कुलसचिव डॉ.जेपी भूकर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अजय पाल शर्मा तथा श्री सुंदर लाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

'शोधार्थियों के लिए सोमवार से खुलेगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय'

कोरोना गाइडलाइंस का करना होगा पालन

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की फाइल फोटो।

महेंद्रगढ़, 3 अगस्त (परमजीत, मोहन): कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष गतिविधियों हेतु बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ सोमवार से फिर शोध कार्य हेतु खुलने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि शोधार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विश्वविद्यालय खोल दिया जाए। हालांकि अभी यह अनुमति दैनिक साप्ताहिक आधार पर होगी और विभागाध्यक्ष व शोध निदेशक की अनुमति के बाद ही शोधार्थी विश्वविद्यालय आ सकेंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर की उपस्थिति में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की ओर निर्धारित गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विमर्श हुआ।

बैठक में विज्ञान विषयों के शोधार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विश्वविद्यालय द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समय सीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की अनुमति होगी। इसी तरह विश्वविद्यालय ने विभिन्न राज्यों से आने वाले शोधार्थियों के लिए संबंधित राज्य व हरियाणा सरकार की ओर से निर्धारित कोविड गाइडलाइंस का पालन करने की अनिवार्य शर्त निर्धारित की है। इसके अंतर्गत आगंतुकों का टीकाकरण हुआ होना आवश्यक है।

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि सभी विषयों के अंतर्गत अध्ययनरत शोधार्थियों को उनके शोध कार्य हेतु एक निर्धारित अवधि के लिए विश्वविद्यालय में आने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इस अवधि का निर्धारण संबंधित विभागाध्यक्ष व शोध निदेशक द्वारा किया जाएगा और इस दौरान विद्यार्थियों का अल्पावधि के लिए अस्थायी रूप से कैंपस में ठहरने का भी इंतजाम रहेगा। साथ ही साथ ऐसे विद्यार्थी जोकि परीक्षा विभाग या अन्य विभाग से संबंधित किसी अति आवश्यक कार्य हेतु विश्वविद्यालय आने के इच्छुक हैं, उन्हें भी विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी की अनुमति के बाद कोरोना गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में आने की अनुमति होगी।

कोविड-19 टास्क फोर्स की इस बैठक में सम्मानित सदस्य शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रोक्टर प्रो. रविंद्र पाल अहलावत, विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो. राजेश मलिक, कुलसचिव डा. जे.पी. भूकर, डा. मनोज कुमार, डा. अजय पाल शर्मा तथा सुंदर लाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

शोधार्थियों के लिए सोमवार से खुलेगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

नारनौल, राजेश राज गोयल।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से विद्यार्थियो के लिए प्रत्यक्ष गतिविधियो हेतु बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ सोमवार 9 अगस्त, 2021 से फिर शोध कार्य हेतु खोलने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 टॉस्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया है कि शोधार्थियो के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विश्वविद्यालय खोल दिया जाए। हालांकि अभी यह अनुमति दैनिक ध्साध्हिक आधार पर होगी और विभागाध्यक्ष व शोध निर्देशक की अनुमति के बाद ही शोधार्थी विश्वविद्यालय आ सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की ओर निर्धारित गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पक्षो पर विस्तार से विमर्श हुआ। बैठक में विज्ञान विषयो के शोधार्थियो के लिए प्रयोगशालाओ को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विश्वविद्यालय द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की

अनुमति होगी। इसी तरह विश्वविद्यालय ने विभिन्न राज्यो से आने वाले शोधार्थियो के लिए संबंधित राज्य व हरियाणा सरकार की ओर से निर्धारित कोविड गाइडलाइंस का पालन करने की अनिवार्य निर्धारित की है। इसके अंतर्गत आगुतको का टीकाकरण हुआ होना आवश्यक है। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सभी विषयो के अंतर्गत अध्ययनरत शोधार्थियो को उनके शोध कार्य हेतु एक निर्धारित अवधि के लिए विश्वविद्यालय में आने की अनुमति प्रदान की जाएगी। इस अवधि का निर्धारण संबंधित विभागाध्यक्ष व शोध निर्देशक के द्वारा किया जाएगा और इस दौरान विद्यार्थियो के अल्पअवधि के लिए अस्थायी रूप से कैंपस में ठहरने का भी इंतजाम रहेगा। साथ ही साथ ऐसे विद्यार्थी जोकि परीक्षा विभाग या अन्य विभाग से संबंधित किसी अति आवश्यक कार्य हेतु विश्वविद्यालय आने के इच्छुक है उन्हें भी विभागाध्यक्ष व शिक्षक प्रभारी की अनुमति के बाद आने कोरोना गाइडलाइंस की अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में आने की अनुमति होगी। कोविड-19 टॉस्क फोर्स की इस बैठक में सम्मानित सदस्य शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रोक्टर प्रो.रविंद्र पाल अहलावत, विधि पीठ के अधिष्ठाता प्रो.राजेश मलिक, कुलसचिव डॉ.जेपी भूकर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. अजय पाल शर्मा तथा श्री सुंदर लाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

शोधार्थियों के लिए नौ अगस्त से खुलेगा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालयः कुलपति

महेंद्रगढ़। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष गतिविधियों हेतु बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय नौ अगस्त से फिर शोध कार्य हेतु खोलने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 टॉस्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया है कि शोधार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विश्वविद्यालय खोल दिया जाए। हालांकि अभी यह अनुमति दैनिक साप्ताहिक आधार पर होगी और विभागाध्यक्ष व शोध निर्देशक की अनुमति के बाद ही शोधार्थी विश्वविद्यालय आ सकेंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की ओर निर्धारित गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विमर्श हुआ। बैठक में विज्ञान विषयों के शोधार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विवि द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समय सीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की अनुमति होगी। इसी तरह विवि ने विभिन्न राज्यों से आने वाले शोधार्थियों के लिए संबंधित राज्य व हरियाणा सरकार की ओर से निर्धारित कोविड गाइडलाइंस का पालन करने की अनिवार्य निर्धारित की है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

शोधार्थियों के लिए सोमवार से खुलेगा हकेंवि

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़ : कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष गतिविधियों के लिए बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ सोमवार से फिर शोध कार्य हेतु खोलने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में कोविड-19 टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया है कि शोधार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विवि खोल दिया जाए। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की उपस्थिति में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्र व राज्य सरकार की ओर निर्धारित गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विमर्श हुआ। बैठक में विज्ञान विषयों के शोधार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विवि द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की अनुमति होगी। इसी तरह विवि ने विभिन्न राज्यों से आने वाले शोधार्थियों के लिए संबंधित राज्य व हरियाणा सरकार की ओर से निर्धारित कोविड गाइडलाइंस का पालन करने की अनिवार्य निर्धारित की है। इसके अंतर्गत आंगुतकों का टीकाकरण हुआ होना आवश्यक है।

'पुस्तकालयों में तकनीकी को अपनाकर विश्वगुरु बनने का मार्ग होगा प्रशस्त'

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने आयोजित किया प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: पुस्तकालय का संबंध केवल किताबों के प्रबंधन की व्यवस्था भर नहीं है, यह वो माध्यम है, जो बदलते दौर में प्रमाणिक ज्ञान का माध्यम है। जिस तरह से सूचना क्रांति के बढ़ते प्रभाव के चलते सही-गलत सूचनाओं की बाढ़ आई है, उसे देखते हुए पुस्तकालय व्यवस्था का महत्व और उससे जुड़े लोगों की जिम्मेवारी और अधिक बढ़ गई है। आमजन को सही पक्षों व ज्ञान के सही रूप से अवगत कराने की दिशा में आज भी पुस्तकालय व पुस्तकें सबसे अधिक प्रमाणिक माध्यम हैं, और हमें इनके आधुनिकीकरण और विकास के लिए आवश्यक प्रयास करने चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित एक माह के समर लाइब्रेरी ट्रेनिंग प्रोग्राम 2021 के समापन के अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित 'सस्टेनेबल लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में मुख्यातिथि के रूप में इंटरनेशनल फेडरेशन आफ लाइब्रेरी ऐसोसिएशन एंड इंस्टीट्यूशंस (आइएफएलए) की अध्यक्ष डा. एनटोनिया अराहोवा,

प्रो.टंकेश्वर कुमार●

विशिष्ट अतिथि के रूप में इन्फ्लिबनेट सेंटर के निदेशक प्रो. जेपी जुरेल और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो.उमा कांजीलाल उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मौजूदा समय में इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव के परिणामस्वरूप सूचना के मोर्चे पर आये बदलावों का उल्लेख करते किया। उन्होंने कहा कि आज न्यू मीडिया का दौर है, और इस समय में आपके आसपास सूचनाएं -ही-सूचनाएं उपलब्ध हैं, बस सही गलत का आंकलन कर पाना मुश्किल है। ज्ञान प्राप्ति के लिए पुस्तकालयों में उपलब्ध सूचनाओं को सर्वाधिक उपयोगी बताया और कहा कि आज भी प्रमाणिक ज्ञान की प्राप्ति के लिए यह सबसे उपयोगी और भरोसेमंद

हकेवि मे आयोजित वेबिनार को संबोधित करती मुख्य अतिथि व आइएफएलए की अध्यक्ष डा. एनटोनिया अराहोवा●सौ हकेवि

माध्यम है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अंग है एवं किसी पुस्तकालय में लिया जाना होता है। मगर वर्तमान समय मे अधिकांश पुस्तकालय या तो बंद है, या विद्यार्थियों को वहां तक पहुंचने में समस्या है।

इसलिए विभाग द्वारा पूर्व वर्ष की भांति ही ऑनलाइन मोड से आयोजित किया गया है। पूरे कार्यक्रम के आधार पर कामिक बुक 'उमंग', इमेज गलरी, और बुलेटिन 'ज्ञानज्योति' एवं कार्यक्रम पर आधारित एक वीडियो का कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतीकरण किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति के संबोधन से पूर्व आयोजन में शामिल मुख्य अतिथि डा. एनटोनिया अराहोवा, विशिष्ट अतिथि प्रो. जेपी जुरेल और प्रो.उमा कांजीलाल ने भी एक माह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया और इस क्षेत्र में तकनीकी स्तर पर जारी बदलावों की ओर ध्यान आकर्षित किया। विशेषज्ञ ने इस तरह के आयोजन को नित नए-नए बदलावों को जानने समझने में मददगार बताया और कहा कि हमें इन आयोजन से मिलने वाले ज्ञान का उपयोग पुस्तकालय व्यवस्था के आधुनिकी करण की दिशा में करना होगा। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, कार्यक्रम की रूपरेखा प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की जबकि कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्रस्तुत किया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित इस वेबिनार का सफलतम संचालन शिक्षा विभाग की डा. रेनू यादव ने किया जबकि इस अवसर विश्वविद्यालय के विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी व विभिन्न शिक्षण संस्थानों से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शोधार्थियों के लिए सोमवार से खुलेगा हरियाणा केंद्रीय विवि

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से छात्रों के लिए बंद हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सोमवार (9 अगस्त) से खुलने जा रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कोविड-19 टास्क फोर्स की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है।

फिलहाल पहले चरण में शोधार्थियों को कैंपस में आने का मौका मिलेगा। अभी यह अनुमति दैनिक, साप्ताहिक आधार पर होगी। इसमें शोध करने वाले छात्र विभागाध्यक्ष व शोध निदेशक की अनुमति के बाद ही कैंपस आ सकेंगे। खास बात यह है कि टीका लगवा चुके छात्रों को इससे राहत मिलेगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने पिछले दिनों 31 अगस्त तक शैक्षणिक सत्र 2020-21 के तहत अकादमिक कैलेंडर पूरा करने का निर्देश दिया है। इसी के तहत विज्ञान विषयों के शोधार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं को खोलने का निर्णय किया गया है। इस व्यवस्था में विश्वविद्यालय द्वारा संबंधित विभाग को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रयोगशाला संबंधी कार्य की अनुमति होगी। ब्यूरो

शिक्षण संग औद्योगिक साझेदारी से होगा कौशल विकास

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ऑनलाइन चर्चा का आयोजन

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में स्कूली स्तर से ही विद्यार्थियों के कौशल विकास को महत्व दिया गया है। ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाने और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अब आवश्यक हो गया है कि शिक्षण के साथ-साथ विद्यार्थियों को विभिन्न कौशल से भी युक्त किया जाए।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर के द्वारा आयोजित पैनल डिस्कशन में व्यक्त किए। गैलेक्सी मैग्नम लिमिटेड के वाइस चैयरमेन इंजीनियर अशोक बंसल की पुस्तक 'डिजाइन ऑफ एनर्जी एफिशियन्सी हाई राइज बिल्डिंग' का भी विमोचन हुआ।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट के निदेशक डॉ. विकास गर्ग व उप-निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार के प्रयासों से कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत के साथ हुई।

इसके बाद स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. राजेश दुबे ने विषय की जानकारी दी। इस चर्चा में इंजीनियर अमर पाल सिंह, प्रमुख, ईडीआरसी, हाईडेल, एल एंड टी, फरीदाबाद, इंजीनियर प्रमोद मिश्रा, सीनियर मैनेजर, जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड, इंजीनियर राजेश भल्ला, जीएम, एल एंड टी, नई दिल्ली, इंजीनियर राजेश राठी, कंस्ट्रक्शन हेड, माहिरा ग्रुप, गुरुग्राम, इंजीनियर संजय अग्रवाल, जीएम, एल एंड टी, नई दिल्ली, इंजीनियर आर के श्रीवास्तव, वाइस प्रेसिडेंट, जिंदल लिमिटेड, इंजीनियर श्रीधर वेंकट, वाइस प्रेसिडेंट, हेड (एचआर), बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड, नई दिल्ली, इंजीनियर विदुष आर्य, प्रोजेक्ट डारेक्टर, गोदरेज प्रोपर्टीज लिमिटेड, इंजीनियर एस के मनोचा, जेडईडी, मास्टर ट्रेनर एन्ड एसेसर- एमएस, मैनेजमेंट कंसल्टेंट तथा इंजीनियर विकास गुप्ता, एजीएम, ईआईएल लिमिटेड शामिल हुए। इस पैनल डिस्कशन के सफल संचालन में डॉ. विकास गर्ग, डॉ. स्नेहलता व सुंदर लाल शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सह-आचार्य डॉ. अजय बंसल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।